



समय की महसूसता से सम्पूर्णता की ओर

1. महसूसता की शक्ति: आत्मा का जागृत स्वरूप

अक्सर हम बड़ी गलतियों (जैसे क्रोध या लोभ) पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन सूक्ष्म कमियों को नजरअंदाज कर देते हैं। संगमयुग के इस अंतिम समय में, हमारी स्थिति एक साफ दर्पण की तरह हमें दिखाएँ। जैसे एक दूध से भरे बर्तन में नींबू की एक छोटी-सी बूंद पूरे दूध को फाड़ देती है, वैसे ही सम्पूर्णता की ओर बढ़ती आत्मा के पुरस्कार में एक छोटा-सा 'व्यर्थ संकल्प' या 'अभिमान का अंश' भी बहुत बड़ा विघ्न पैदा कर सकता है। जैसे एक कुशल घड़ीमाज घड़ी के सबसे छोटे पुंजों की धूल को भी पहचान लेता है क्योंकि वह जानता है कि एक छोटा-सा ऋण भी समय को धीमा कर सकता है। इसी प्रकार, हमें अपने स्वभाव और संस्कारों की सूक्ष्म बारीकियों को महसूस करना होगा। जब तक गलती महसूस नहीं होगी, उसके सुधार का द्वार नहीं खुलेगा।

2. परिवर्तन की शक्ति :

महसूसता से कर्म तक का सफर महसूसता केवल पहला कदम है। यदि हमें पता चल जाए कि घर में आग लगी है (गलती महसूस हो जाए), लेकिन हम उसे बुझाने का प्रयास (परिवर्तन) न करें, तो नुकसान निश्चित है। बाबा कहते हैं कि महसूसता के साथ 'शक्ति' जोड़ना ही असली पुरुषार्थ है। परिवर्तन का अर्थ है- अपने पुराने संस्कारों को नए देवीय

संगमयुग, जिसे स्वयं भगवान ने 'कल्याणकारी युग' की संज्ञा दी है, अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुँच चुका है। बाबा मुरली में बार-बार संकेत दे रहे हैं कि समय बहुत थोड़ा है। इस नाजुक घड़ी में एक तीव्र पुठुसार्थी आत्मा के लिए तीन बातें सबसे अनिवार्य हैं: छोटी से छोटी गलती की महसूसता, उसे बदलने का संकल्प और बाबा की स्मृति द्वारा तुरंत 'फुल स्टॉप' लगाना।

संस्कारों में तब्दील करना। जैसे एक किसान जब यह देखता है कि खेत में खरपतवार उग आई है, तो वह केवल उसे देखता नहीं रहता, बल्कि उसे जड़ से उखाड़कर वहीं नए बीज बोता है। इसी तरह, जैसे ही हमें अपने किसी कमजोरी का पता चले, उसे तुरंत शुभ गुणों और शक्तियों से बदल लेना चाहिए।

3. फुल स्टॉप और बाबा के महावाक्यों की स्मृति

यह सबसे महत्वपूर्ण चरण है जिसे अपने स्पष्ट किया। अक्सर आत्माएँ गलती महसूस करती हैं और उसे बदलना भी चाहती हैं, लेकिन उस गलती के बारे में "क्यों, क्या, कैसे" सोचकर बहुत सारा समय व्यर्थ कर देती हैं। बाबा कहते हैं-"बीती सो बीती।" जो हुआ उसे एक सेकंड में 'फुल स्टॉप' लगाकर खत्म करना ही बुद्धिमानी है।

व्यर्थ को समाप्त करने का सबसे सरल तरीका है- बाबा के महावाक्यों की स्मृति को सामने लाना। जब मन में अंधकार या भ्रम हो, तो ज्ञान का एक महावाक्य 'लाइट' की तरह काम करता है। जैसे कल्पना कीजिए कि आप गाड़ी चला रहे हैं और रास्ता भटक गए। अब समझदारी इसमें नहीं है कि आप वहाँ रुककर रोएं या यह सोचें कि गलती कैसे हुई। समझदारी इसमें है कि जैसे ही गलती महसूस हो, तुरंत 'ब्रेक' (फुल स्टॉप) लगाएं, 'नौपापस' (बाबा के महावाक्य) की मदद लें और सही दिशा में आगे बढ़ जाएं। जैसे ही आप स्मृति स्वरूप वनते हैं कि "मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ", पुरानी गलती का बोझ स्वतः ही खत्म हो जाता है।

संगम युग का एक-एक सेकंड करोड़ों के समान है। अब हमारे पास विस्तार में जाने का समय नहीं है। हमें 'बिन्दु' बनकर 'बिन्दु' (शिव बाबा) को याद करना है। यदि हम अपने छोटी-छोटी गलतियों को तुरंत महसूस कर, उन्हें बाबा की याद के जादुई मंत्र से बदल लें और 'फुल स्टॉप' लगाकर आगे बढ़ें, तो हम बहुत जल्द 'सफलता मुरा' बन जाएंगे। यही वह समय है जब हमें अपने समय, संकल्प और शक्तियों को बचत कर 'डबल लाइट' परिश्रमा बनना है।



राजकोट-रवि रत्न पार्क (गुज.)। ब्रह्मकुम्हारोंब स्थापना के 90 वर्ष पूर्ण होने पर महाशिवरात्रि मेले के भव्य उद्घाटन कार्यक्रम के अवसर पर राजयोगीनी ब.क. भारती दादी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब.क. नलिनी, विधायक डॉ. दीर्घता सह, मेयर नयना पेंडरिया, सरगम कनक के गुणवत्ता देलावाला, पूर्व शहर भाजपा के कमलेश मिराचो, वार्ड कॉर्पोरेटर आशा जो, पंचशाला स्कूल के डॉ. डी.के. चडोदरिया, टैक्सेस ग्रुप के जयन जो तथा अन्य।



छत्तापुर-म.प्र.। राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय टंकुट बालिका छात्रावास अनुमूर्तिता जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रावास की बालिकाओं के लिए विश्वनाथ कॉलेजी सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ करने के पश्चात् समूह चित्र में ब.क. कल्पना, छात्रावास अधीक्षक माया जो, शिक्षिका मेधा जो, ब.क. रेखा, ब.क. सुमन, ब.क. नरला तथा अन्य।



ध्यास-गुज.। प्रिंसिपल डिमिट्रक जग तेजस देवर्षी को परमात संदेश देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब.क. दीपा।



जुवल-केरल (गुज.)। 90वें विभूति शिवरात्रि के अवसर पर शोभायात्रा के पश्चात् समूह चित्र में ब.क. मीरा, तंदन, ब.क. जय, ब.क. सय, ब.क. गीता, ब.क. किता, ब.क. दास एवं अन्य काज-बाने।



बिलासपुर-छ.ग.। व्यापार एवं उद्योग मेला आयोजन समिति के उद्घाटन में आयोजित समूह में समानसेवा एवं नारी सर्वशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ब.क. कया को 'शक्तिसेवाई पुनर् नारी शक्ति सेवा सम्मान' से सम्मानित करने हुए उपमुख्यमंत्री अरुण साव। साथ है बिलास विधायक सुशांत शुक्ला, महापौर पूजा विधानी, चीफनडाई व्यापार एवं उद्योग संघ के अध्यक्ष किरण पाल चावला, ब.क. गायत्री, ब.क. पूर्णिमा तथा अन्य।



दुर्ग-केरल (गुज.)। महाशिवरात्रि पर आयोजित आनंद सरोवर, बनेरा में इन्द्रश श्रौतिलेख एवं चैतन्य श्रौतिका का दीप प्रज्वलन कर शुभारम्भ करने के पश्चात् गजेंद्र चाव, नैबिनेट मंत्री सुलु शिवा, इन्फोसिस, विधि एवं विधायी कर्म, विवेक अग्रवाल, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब.क. रीटा तथा अन्य।



झोंग-महारा.। राष्ट्रीय आरोग्य मेला-2026 निगोजन बैठक में दिल्ली अयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव का स्वगत करते हुए ब.क. शारदा टॉटी व ब.क. विजया। साथ है ब.क. अनोता।



जकातवाड़ी-सनाग (महारा.)। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में सेवाकेन्द्र पर कार्यक्रम के दौरान नवनिर्वाचित पंचायत समिति सदस्य कोमल टावरी को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब.क. सांता। साथ है सेवानिवृत्त सहायक अधीक्षक अरिपंत बालारामोष पाटिल, सहायक अधीक्षक अश्विनी घनावी माने, प्राचार्य श्रीमती शरदा मिलवें।



उदवाड़ी-गुज.। ब्रह्मकुम्हारोंब, लायंस क्लब और सोनियर मिश्रोजन एसोसिएशन के संयुक्त उद्घाटन में आयोजित 'शिवपुराण कथा' में पण्डित उद्योगपति गुरु बिलारिका को ईश्वरीय सौगात व प्रसाद भेंट करते हुए ब.क. पारुल व ब.क. मोनला।



इंदौर-सुदामा नगर (म.प्र.)। प्रभु उद्घाटन भवन में 77वें गणतंत्र दिवस पर विभिन्न फहराते हुए डॉ. रविचंद्र नरसिंहपुरकर, डॉ. सुलु हेडपेस्टर एआर साहू, गोकुल सुनील, ब.क. दीपिनी, ब.क. शैल, ब.क. इकाश तथा अन्य ब.क. भाई-बहन।